Pramukh Puraskar

(प्रमुख पुरस्कार)

(Useful for all Competitive examinations)

पदम पुरस्कार (Padma Awards)

पदम विभूषण - 1954 में स्थापना

तीन श्रेणी

पदम विभूषण प्रथम श्रेणी

पदम विभूषण द्वितीय श्रेणी

पदम विभूषण तृतीय श्रेणी

ROJGAR With ANKIT

Padma Vibhushan - Established in 1954

Three Categories

Padma Vibhushan Pahela Varg

Padma Vibhushan Dusra Varg

Padma Vibhushan Tisra Varg

1955 में नाम बदलकर पदम विभूषण, पदम भूषण और पदम श्री कर दिया गया

किस किस वर्ष नहीं दिये गये - 1978 और 1979 तथा 1993 से 1997

Names changed to Padma Vibhushan, Padma Bhushan and Padma Shri in 1955

Years in which not given - 1978 and 1979 and 1993 to 1997

पदम विभूषण: असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये

Padma Vibhushan: For exceptional and distinguished service

पदम भूषण: उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा के लिये

Padma Bhushan: For distinguished service of high Order

पदम श्री: विशिष्ट सेवा के लिये

Padma Shri: For distinguished service

2024 में कितने पुरस्कार - 132

पदम विभूषण - 05

पदम भूषण - 17

पदम श्री - 110

How many awards in 2024 - 132

Padma Vibhushan - 05

Padma Bhushan - 17

Padma Shree - 110

ROJGAR With ANKIT

2024 के पदम विभूषण

1. वैजयन्ती माला

कला (हिंदी सिनेमा) से संबंधित

तमिलनाडु राज्य से सम्बन्ध

1982 में संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कार भी मिला

1. Vyjayanti Mala

Related to art (Hindi Cinema)

Hails from Tamil Nadu

Received Sangeet Natak Academy Award in 1982

2. कोनिडेला चिरंजीवी

कला के क्षेत्र में

आंध्र प्रदेश से सम्बंधित

2006 में पदम भूषण मिला

ROJGAR With ANKIT

2. Konidela Chiranjeevi

In the field of art

Belongs to Andhra Pradesh

Received Padma Bhushan in 2006

3. एम वेंकैया नायडू

सार्वजनिक मामले (Public Affairs)

भारत के 13वें उपराष्ट्रपति

3. M Venkaiah Naidu

Public Affairs

13th Vice President of India

4. बिंदेश्वर पाठक

सामाजिक कार्य के क्षेत्र में

सुलभ इंटरनेश्नल के संस्थापक

टॉयलेट मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध

4. Bindeshwar Pathak

In the field of Social Work

Founder of Sulabh International

Famous as Toilet man of India

5. पदमा सुब्रमण्यम

कला के क्षेत्र में

तमिलनाडू से सम्बन्ध

भारतनाट्यम की नृत्यांगना

5. Padma Subrahmanyam

In the field of Art

Belongs to Tamil Nadu

Bharatanatyam dancer

ROJGAR With ANKIT

प्रमुख वन लाइनर्स

कोई प्राइज मनी नहीं दी जाती

शुरुआत - 1954

2024 में कुल कितने पुरस्कार - 132

2024 में कितनी महिलाओं को - 30

2024 में कितने मरणोपरांत - 9

वीरता पुरस्कार (युद्ध काल)

स्थापना - 26 जनवरी 1950 (इन्हें 15 अगस्त 1947 से प्रभावी माना गया)

युद्धकालीन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए (मरणोपरांत भी)

भारतीय राष्ट्रपति द्वारा दिए जाते हैं

नाम के साथ उपसर्ग या प्रत्यय के तौर पर भी प्रयोग कर सकते हैं

पुरस्कार का आधार - दुश्मन की उपस्थिति में थल, जल और वायु में विशिष्ट बहादुरी और आत्म बलिदान के लिए

वर्ष में कितनी बार - दो बार (गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस)

किसी आधार पर भेदभाव नहीं होता चाहे महिला हो या पुरुष, अधिकारी हो या जवान

किसको मिल सकता है पुरस्कार?

सेना, नौसेना, वायुसेना, आरक्षित बल, प्रादेशिक सेना या कानूनी रूप से गठित सशस्त्र बल

नर्सिंग स्टाफ, सैन्य हॉस्पिटल, सेना के तहत कार्यरत नागरिक कर्मी

ROJGAR With ANKIT

1. परमवीर चक्र (PVC) - बैंगनी रिबन

यह वीरता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।

It is the highest award given for gallantry

26 जन 1950 से इसको परमवीर चक्र के नाम से दिया जाने लगा, उससे पहले परमवीर चक्र को Victoria Cross के समतुल्य माना जाता था।

सबसे पहले किसे मिला - मेजर सोमनाथ शर्मा को (मरणोपरांत)

First recipient - Major Somnath Sharma (Posthumous)

अब तक कितने लोगों को परमवीर चक्र मिला है - 21 व्यक्तियों को

How many people have received Param Vir Chakra so far - 21 people

मरणोपरांत - 14 लोगों को (Posthumously - 14 people)

20 विजेता - सेना से

1 विजेता - वायुसेना से

ROJGAR With ANKIT

1999 कारगिल युद्ध में कितने लोगों को परमवीर चक्र
1999 Kargil martyrs who got Param Vir Chakra

ग्रेनेडियर योगेन्द्र यादव (Grenadier Yogendra Yadav)

राइफलमैन संजय कुमार (Rifleman Sanjay Kumar)

लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय (Lt. Manoj Kumar Pandey)

कैप्टन विक्रम बत्रा (Capt. Vikram Batra)

RUJGAR With ANKIT

2. महावीर चक्र (Mahavir Chakra)

वीरता के लिये दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार

Second highest award given for gallantry

3. वीर चक्र - वीरता के लिए तीसरा सर्वोच्च सम्मान

शांति के समय सर्वोच्च वीरता पुरस्कार

1. अशोक चक्र-

स्थापना - 4 जनवरी 1952 (15 अगस्त 1947 से लागू)

Establishment - 4th January 1952

अशोक चक्र पाने वाली प्रथम महिला - नीरजा भनोट

First woman to get Ashok Chakra - Neerja Bhanot

अशोक चक्र का पहले नाम क्या था - अशोक चक्र-1

(1967 से 'अशोक चक्र' कर दिया गया)

Previously known as Ashoka Chakra-1, Changed in 1967

RUJGAR With ANKIT

अशोक चक्र पाने वाले सबसे पहले व्यक्ति - नरबहादुर थापा + बचित्तर सिंह + सुहास विश्वास

First person to get Ashok Chakra - Narbahadur Thapa + Bachitar Singh + Suhas Biswas

ROJGAR With ANKIT

2. कीर्ति चक्र (Kirti Chakra)

कीर्ति चक्र का पुराना नाम - अशोक चक्र - 2

Previously known as Ashok Chakra - 2

1967 से इसका नाम कीर्ति चक्र किया गया

Since 1967, known as Kirti Chakra

शांतिकाल के दौरान दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा सम्मान

Second highest award during peace

3. शौर्य चक्र (Shaurya Chakra)

पुराना नाम - अशोक चक्र - 3

Previously known as Ashoka Chakra - 3

1967 से इसका नाम बदलकर शौर्य चक्र किया गया

It was renamed as Shaurya Chakra since 1967

स्थापना - 1952

Established - 1952

For pdf

Join our Telegram Channel

rwacurrentaffairs